ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-04-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-04-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-04-12	2023-04-13	2023-04-14	2023-04-15	2023-04-16
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	23.0	24.0	24.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	11.0	11.0	11.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	8	8	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	290	270	270	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	1	4	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा।अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 22.0 से 25.0 व 10.0 से 11.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/घंटे की गति से पश्चिम उत्तर पश्चिम, पश्चिम दक्षिण पश्चिम व पूर्व उत्तर पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है।

सामान्य सलाहकार:

शुष्क मौसम की स्थिति के कारण, 12 से 15 अप्रैल, 2023 तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है, साथ ही उत्तराखंड में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाएगा। नतीजतन, 15 -16 अप्रैल 2023 के आसपास अधिकतम तापमान उत्तराखंड के पहाड़ियों (लगभग 2000 मीटर) पर 24 -25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इन उच्च तापमान की स्थितियों के कारण, उत्तराखंड की पहाड़ियों में स्थित जंगल में आग की घटनाओं में वृद्धि हो सकती है। अतः किसान भाई अपनी फसलों को आग से बचायें व परिपक्क फसलों की शीघ्रातिशीघ्र कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें। फसलों को गर्मी के तनाव से बचाने के लिए किसानों को नियमित रूप से अपने खेतों की आवश्यकतानुसार सिंचाई, पूर्व में हुई वर्षा को ध्यान में रखकर करने की सलाह दी जाती है। सभी अप्राप्य जंगल की आग की सूचना स्थानीय अग्निशमन विभाग /प्राधिकरण को तुरंत दें। जानवरों को गर्मी से बचाने के लिएए उचित वेंटिलेशन प्रदान करें और अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए किसी भी शीतलन स्रोत का उपयोग करें। पशुओं को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करने के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा, खनिज और विटामिन मिश्रण दें और परिवेश के तापमान पर ताजा आहार और स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति करें। रोगग्रस्त जानवरों को अलग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। मटर, मसूर तथा चना की कटाई फसल पकने के तुरंत बाद सुबह के समय करें और जानवरों को उचित आश्रय प्रदान करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसान भाइयो जब गेहूं की बालियों का रंग सुनहरा हो जाए और बालियों के दाने सख्त हो जाएं तब तैयार फसल की कटाई कर लें। मध्यम व ऊंचाई वाले क्षेत्रों में असिंचित फसल में 2 प्रतिशत यूरिया का घोल बनाकर पर्णीय छिड़काव करें।
चावल	पर्वतीय क्षेत्रों में, असिंचित दशा में चेतकी धान की बुवाई करें।
मसूर की दाल	किसान भाइयो परिपक्क फसल की सावधानीपूर्वक कटाई व मड़ाई कर उपज को भंडारित कर लें
फील्ड पी	किसान भाइयो परिपक्क फसल की सावधानीपूर्वक कटाई व मड़ाई कर उपज को भंडारित कर लें

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	घाटियों में आलू की फसल में झुलसा बीमारी से बचाव के लिए 0.25 प्रतिशत इण्डोफिल-45 का घोल बनाकर छिड़काव करें, सिंचाई करें व 50 किग्रा यूरिया/है0 की इर से खड़ी फसल में डालें। खेत की तैयारी के समय 200 कुन्तल गोबर की सड़ी खाद डाले ताथा उपलब्धतानुसार आखिरी जुताई पर रासायनिक उर्वरक का भी प्रयोग करें तथा 60 सेमी की दूरी पर मेड़ बनाकर इन पर 15 सेमी की दूरी पर बीज बोयें।
टमाटर	घाटी क्षेत्रो में यदि टमाटर की पौध तैयार हो गई हो तो संस्तुति के अनुसार पौध रोपण करे। मध्यम ऊँचे पर्वतीय घाटी क्षेत्रो, में टमाटर के बीज की बुवाई पॉलीहाउस या पॉलीनेट के भीतर करे। पूर्व में बोई गई फसल में आवश्यमतानुसार निराई-गुड़ाई व सिंचाई करें। झुलसा बीमारी से बचाव के लिए 0.25 प्रतिशत इण्डोफिल-45 नामक दवा का घोल बनाकर एक छिड़काव करें।
कद्दू	कद्दू वर्गीय सब्जियो मे पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूर पिलाये।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	मुर्गियों के अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए उनके आवास के तापमान का विशेष ध्यान रखें, उन्हें खाने के लिए सन्तुलित आहार दें तथा साफ-सुथरा एवं ताजा जल उपलब्ध करायें।